बी०आई०एफ०आर० ने अपने 25 जुलाई, 1989 के आदेश द्वारा अपील प्राधिकरण द्वारा की गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए आई आर बी०आई० को एक नई योजना तैयार करने और अपनी रिपोर्ट 15-9-1989 तक बोर्ड को प्रस्तुत करने का निदेश दिया था। बोर्ड की पीठ ने 8 फरवरी, 1990 के लिए जयपुर उद्योग लिमिटेड के मामले की सुनवाई निश्चित की थी किन्तु यह सुनवाई स्थगित कर दी गई थी। बोर्ड ने अब सूचित किया है कि इस मामले की सुनवाई अब 21-3-1990 को होगी ।

(ग) रुग्ण और अशोध्य संयंत्रों का राष्ट्रीयकरण करना सरकार की नीति नहीं है।

(घ) राजस्थान में 16 जिले ऐसे जिले हैं जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा औद्योगिक रूप से पिछड़े जिले घोषित किया गया है।

किसी जिले को पिछड़ा घोषित करने के लिए निर्धारित किए गए मानदण्डों में ये शामिल हैं :-प्रति व्यक्ति खाद्यान्न/वाणिज्यिक फसल उत्पादन, जो इस बात पर निर्भर करता है कि जिला प्रधानतः कृषि कामगारों के लिए खाद्यान्न/नकदी फसल आबादी के राशन का एक उत्पादक है, प्रति व्यक्ति औद्योगिक उत्पादन क्षमता प्रति लाख आबादी में कारखाना कर्मचारियों की संख्या अथवा वैकल्पिक रूप से प्रति लाख आबादी में दूसरे अथवा तीसरे प्रकार के कार्यकलापों में लगे व्यक्तियों की संख्या, प्रति व्यक्ति बिजली की खपत, आबादी के संबंध में पक्की सड़कों की लम्बाई अथवा आबादी के संबंध में रेलवे मील दूरी। जिन जिलों में जिला उद्योग केन्द्र कार्रवाई योजना 1979-80 के अनुसार कोई बड़ा अथवा मझोला उद्योग नहीं है उन्हें "उद्योग रहित जिलों" के रूप में माना गया था।

(ङ) सवाई माधोपुर जिले को पिछड़ा जिला घोषित नहीं किया गया था, क्योंकि यह मानदंड पूरे नहीं करता था।

गैस फिलिंग प्लांटों की क्षमता

792. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न विगमों के "गैस फिलिंग प्लांट" कहां कहां स्थित हैं तथा इन प्लांटों की दैनिक फिलिंग क्षमता कितनी-कितनी है ;

(ख) देश में गैस सिलेण्डरों की दैनिक आवश्यकता कितनी है ; और

(ग) सरकार देश में गैस कनेक्शन चाहने वाले सभी व्यक्तियों को कब तक गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने में सक्षम हो जायेगी ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एम० एस० गुरुपदस्वामी) : (क) अपेक्षित सूचना संलग्न विवरण में दी गई है।

(ख) देश में लगभग 4.49 लाख एल०पी०जी० सिलिंडरों की दैनिक आवश्यकता है।

(ग) देश भर में नए एल०पी० जी० कनेक्शन तेल उद्योग द्वारा एल०पी०जी० की उपलब्धता होने पर उपभोक्ताओं के नामांकन के अपने वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से जारी किए जाते हैं।

विवरण

क्रम संख्या	स्थान	औसत बाटलिंग क्षमता प्रतिदिन (सिलिंडरों में) (दो पाली आधार पर)
1	2	3
	इंडियन आयल कारपोरेशन	
1.	कानपुर	15400.0
2.	मथुरा	21200.0
3.	जालंधर	8200.0
4.	इलाहाबाद	8200.0
5.	सवाई माधोपुर	15400.0
6.	दिल्ली	31800.0
7.	करनाल	10600.0
8.	हलद्वानी	2400.0
9.	अजमेर	2400.0
10.	बाडी	2400.0
11.	हरिद्वार	2400.0
12.	कल्याणी	10600.0
13.	बोंगाईगांव	5300.0
14.	दुर्गापुर	10600.0
15.	जमशेदपुर	10600.0
16.	बालासोर	10600.0
17.	गुवाहाटी	1200.0
18.	हल्दिया	4800.0
19.	बरौनी	3600.0
20.	राजकोट	8200.0
21.	हजीरा	10600.0
22.	भोपाल	10600.0
23.	कोयाली	24600.0
24.	बंगलौर	8200.0
25.	सेलम	8200.0
	आई० बी० सी० से संबद्ध संयंत्र	
26.	सी० आर० एल०	19800.0
27.	एम० आर० एल०	6600.0
28.	ओ० आई० एल०, दुलियाजान	6600.0

1	2	3
	भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन	
29.	बरेली	2400.0
30.	हिसार	2400.0
31.	जयपुर	2400.0
32.	लारलू	21200.0
33.	लखनऊ	2400.0
34.	शक्करपूरबस्ती	8200.0
35.	पियाला	31800.0
36.	कोयम्बटूर	8200.0
37.	मंगलौर	5300.0
38.	टुटीकोरिन	2400.0
39.	बम्बई	37600.0
40.	भिटोनी	10600.0
41.	जलगांव	5300.0
42.	शीलापुर	5300.0
43.	खुर्दा	2400.0
	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन	
44.	औरंगाबाद	5300.0
45.	बंगलौर	8200.0
46.	चन्दरपुर	5300.0
47.	चेरलापल्ली	13800.0
48.	गोआ	5300.0
49.	जम्मू	4800.0
50.	जोधपुर	4300.0
51.	खापड़ी	8200.0
52.	खुर्दा रोड	10600.0
53.	लुधियाना	720.0
54.	मंगलिया	8200.0
55.	पहाड़पुर	2900.0
56.	पूणे	4800.0
57.	मिराज	5300.0
58.	रायपुर	10600.0
59.	मैसूर	5300.0

1	2	3
60.	श्रीनगर	1680.0
61.	सूरत	2900.0
62.	विजयवाड़ा	5300.0
63.	शक्तिनगर	3600.0
64.	ताडोबाली	2900.0
65.	हुबली	5300.0
66.	जिन्द	5300.0
67.	माहुल	6050.0
68.	बम्बई (शोधनशाला)	15700.0
69.	विशाखा (शोधनशाला)	10600.0
70.	गांधी नगर	1200.0
71.	कपसना	1200.0
72.	होशियारपुर	1200.0
	जोड़ :	600550.0

करनाल तेल शोधक कारखाने के निर्माण कार्य में विलम्ब

793. **श्री राम नरेश यादव** : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि करनाल तेल शोधक कारखाने के निर्माण में कार्य में विलम्ब होने की सम्भावना है ;

(ख) यदि हां तो क्या यह भी सच है कि इस में विलम्ब होने के कारण इस परियोजना के निर्माण कार्य की लागत भी बढ़ गई है ;

(ग) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और इसके निर्माण कार्य में विलम्ब होने के क्या कारण हैं ; और

(घ) इस विषय में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयत्नों का ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एम०एस० गुरुपदस्वामी) : (क) से (घ) इस परियोजना के लिए सोवियत सहायता की शर्तों और कार्य क्षेत्र पर अभी बातचीत चल रही है । इस बातचीत के पूरा होने के बाद ही लागत में सम्भावित वृद्धि और परियोजना को पूरा करने के कार्यक्रम के बारे में निश्चित रूप से कहा जा सकता है ।

प्राकृतिक गैस का अपव्यय और इसका प्रयोग

794. **श्री राम नरेश यादव** : क्या पैट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बम्बई हाई से प्रति वर्ष लगभग 750 करोड़ रुपये की प्राकृतिक गैस नष्ट हो रही है ;